Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार - 1

अध्याय-5
व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ

भाग - 4

ई-व्यवसाय की सीमाएँ

रूचिका सैनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. ई-व्यवसाय
2. ई-व्यवसाय का कार्यक्षेत्र
3. ई-व्यवसाय के लाभ
4. ई-व्यवसाय की सीमाएँ
5. पारंपरिक व्यवसाय एवं ई-व्यवसाय में अंतर
6. ई-व्यवसाय प्रक्रिया
7. ई-लेनदेनों की सुरक्षा एवं बचाव

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अल्प मानवीय स्पर्श
गोपनीयता
जन प्रतिरोध
आदेश प्राप्ति और आदेश पालन
समय
नैतिक पतन

ई-व्यवसाय की सीमाएँ

ई-व्यवसाय इतना भी लुभावना नहीं है। इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से व्यवसाय करने की कई सीमाएँ हैं। यह उचित होगा कि इन सीमाओं के प्रति भी सचेत रहा जाए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



I अल्प मानवीय स्पर्श

- ई-व्यवसाय अत्याधुनिक हो सकता है परंतु इसमें अंतर्वैयक्तिक पारस्परिक संपर्क का अभाव होता है।
- यह उन उत्पाद श्रेणियों जिनमें उच्च वैयक्तिक स्पर्श की आवश्यकता होती हैं, जैसे- वस्त्र, प्रसाधन इत्यादि के व्यवसाय के लिए अपेक्षाकृत कम उपयुक्त विधि है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



II आदेश प्राप्ति/प्रदान और आदेश पूरा करने की गति के मध्य असमरूपता

- सूचना माउस को क्लिक करने मात्र से ही प्रवाहित हो सकती है, परंतु वस्तुओं की भौतिक सुपुर्दगी में समय लगता ही है।
- यह असमरूपता ग्राहक के सब्र पर भारी पड़ सकती है। कई बार तकनीकी कारणों से वेबसाइट खुलने में असामान्य रूप से अधिक समय ले सकती है। यह बात भी प्रयोगकर्ता को हतोत्साहित कर सकती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



III ई-व्यवसाय के पक्षों में तकनीकी क्षमता और सामर्थ्य की आवश्यकता

ई-व्यवसाय में सभी पक्षों को कंप्यूटर के संसार से उच्च कोटि के परिचय की आवश्यकता होती है और यही आवश्यकता समाज में विभाजन, जिसे कि अंकीय-विभाजन कहा जाता है, के लिए उत्तरदायी होती है, जिसमें समाज का अंकीय तकनीक से परिचितता और अपरिचितता के आधार पर विभाजन हो जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



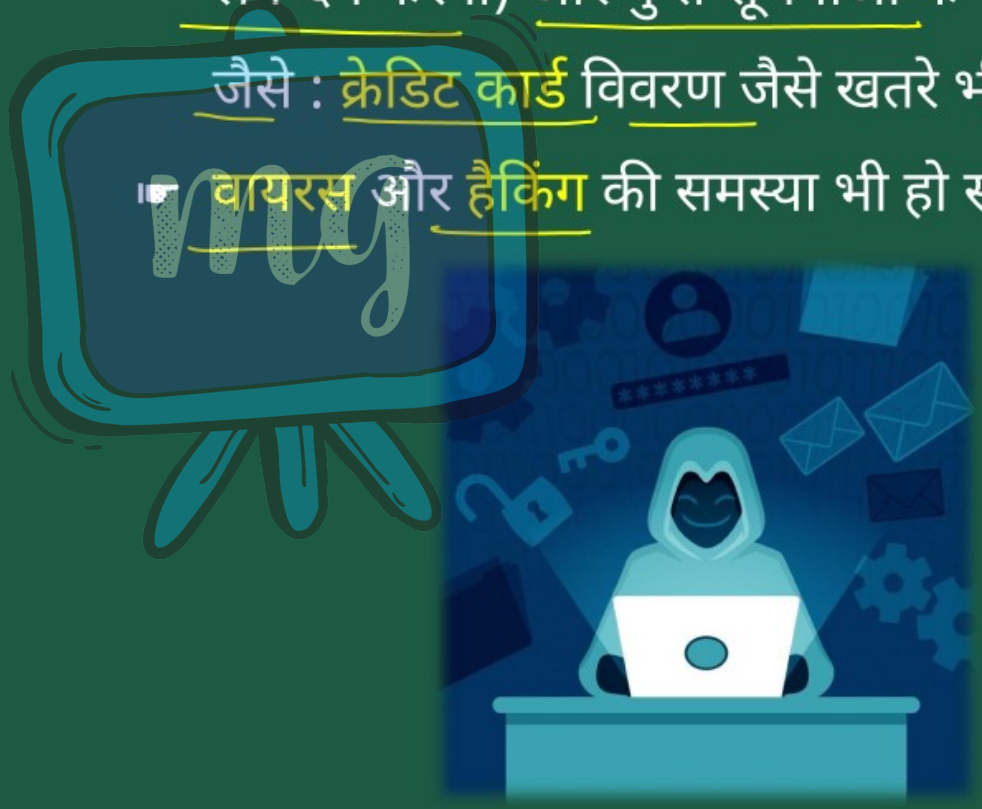
IV पक्षों की अनामता और उन्हें ढूंढ पाने की अक्षमता के कारण जोखिम में वृद्धि

- इंटरनेट लेन-देन साइबर व्यक्तियों के मध्य होते हैं, ऐसे में पक्षों की पहचान सुनिश्चित करना मुश्किल हो जाता है। यहाँ तक कि कोई यह भी नहीं जान सकता कि पक्ष किस स्थान से प्रचालन कर रहे हैं।
- यह जोखिम भरा होता है, इसलिए इंटरनेट पर लेन-देन भी जोखिम भरा होता हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसमें अप्रतिरूपण (किसी अन्य का आपके नाम पर लेन-देन करना) और गुप्त सूचनाओं के बाहर निकलने, जैसे : क्रेडिट कार्ड विवरण जैसे खतरे भी हो सकते हैं।
- वायरस और हैकिंग की समस्या भी हो सकती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

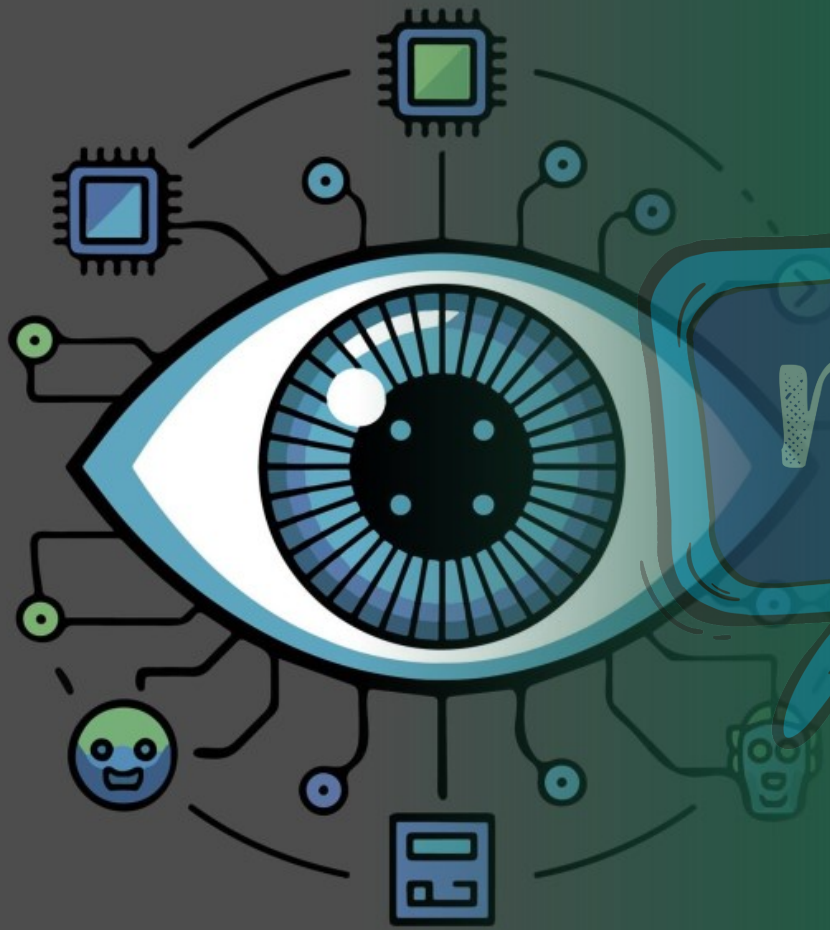
V जन प्रतिरोध

- नई तकनीक के साथ समायोजन की प्रक्रिया एवं कार्य करने के नए तरीके तनाव एवं असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं।
- इसके परिणामस्वरूप लोग संस्था के ई-व्यवसाय के प्रवेश की योजना का विरोध कर सकते हैं।



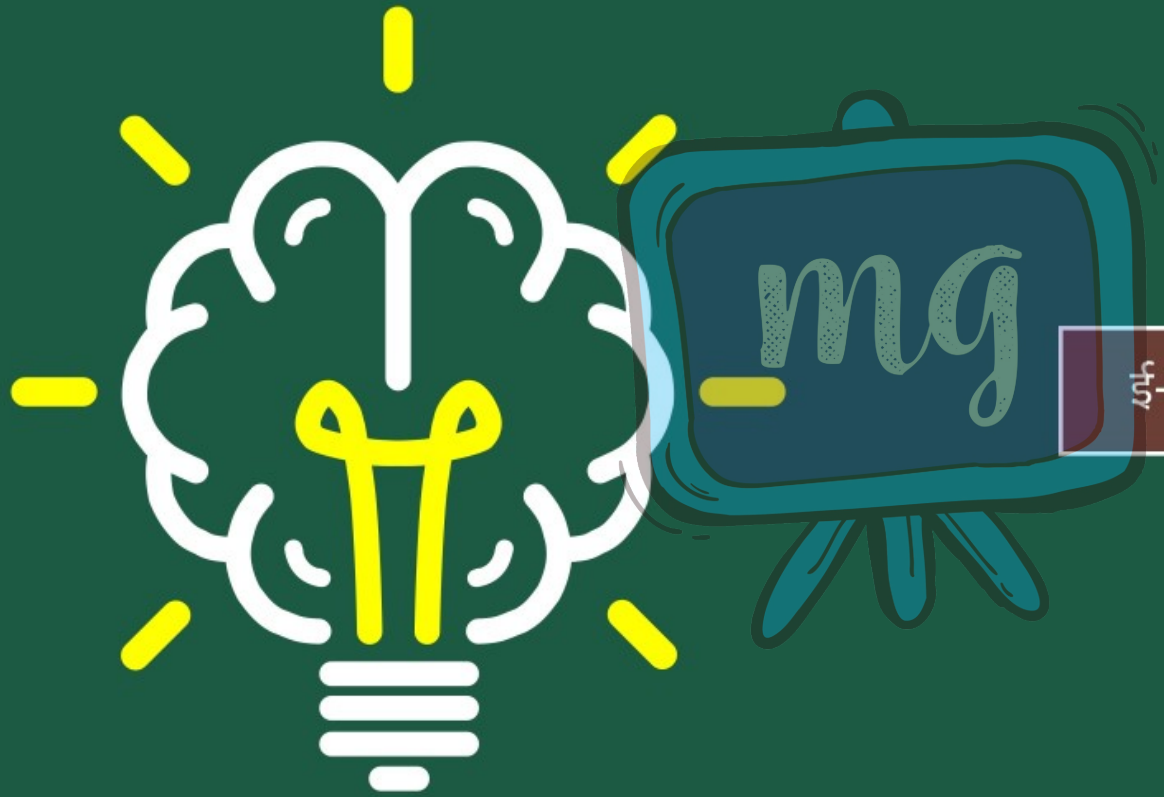
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



VI नैतिक पतन

- कंपनियाँ आपके द्वारा प्रयोग की गई कंप्यूटर फाइलों, आपके ई-मेल खातों, वेबसाइट जिन पर आप जाते हैं।
- ऐसी अन्य जानकारियों के लिए एक विशेष सॉफ्टवेयर (जैसे - इलेक्ट्रॉनिक आई) का प्रयोग करते हैं।



ई-व्यवसाय की सीमाएँ



1 ई-व्यवसाय में जोखिमें होती है।

- अ वायरस
- ब हैकिंग
- स तकनीकी समायोजन का अभाव
- द उपर्युक्त सभी



2 कंपनियाँ आपकी जानकारी ऑनलाईन प्राप्ति के लिए सॉफ्टवेयर प्रयुक्त करती है।

अ इलेक्ट्रॉनिक आई (अ)

ब इलेक्ट्रॉनिक नोज

स इलेक्ट्रॉनिक ईअर

द इलेक्ट्रॉनिक हेयर



3 ई-व्यवसाय में अंतर्वैयक्तिक पारस्परिक संपर्क का अभाव होता है।



अ सत्य (अ)

ब असत्य